साप्ताहिक बाजार खुलने के निर्देश पर विक्रेताओं ने जताया संदीप भारद्वाज का आभार

नई दिल्ली,कारोना महामारी के चलते बन्द हुआ कारोबार धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा है।इसी कड़ी में लगभग पांच महीनों से बन्द पड़े साप्ताहिक बाजार के खोलने के आर्डर दिल्ली सरकार ने दुबारा से रद्द की विलयरेंस करवा कर जारी कर दिये, जिससे दिल्ली में लगभग तीन सौ जगह पर साप्ताहिक बाजार लगाने वाले लगभग तीन लाख छोटे व्यापरियों के चेहरों पर खुशी की लहर आ गई है।उनके घर-परिवार के लोग खुश हैं।दिल्ली हफ्तावारी पटरी एसोसिएशन के पदाधिकारी आज चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज़ के अध्यक्ष बृजेश गोएल जी का धन्यवाद करने के लिए चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज़ के उपाध्यक्ष सन्दीप भारद्वाज के कार्यालय में आये,और सभी ने ष्टज्जङ्घ द्वारा साप्ताहिक बाज़ारों के खोले जाने के प्रयासों की तारीफ की व धन्यवाद किया।एसोसिएशन के महासचिव जसवंत पोपली ने कहा कि साप्ताहिक बाजार न खुलने से सभी परेशान थे व आर्थिक मंदी से जूझ रहे थे,लेकिन सरकार तक मांग पहुंचाने का प्लेटफार्म नहीं मिल रहा था और जब इस समस्या के लिए सन्दीप भारद्वाज जी से बात की तब उन्होंने बिना विलम्ब किये बृजेश गोयल के माध्यम से दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के समक्ष हमारी मांग रखी,जिसे मुख्यमंत्री जी ने गम्भीरता से विचार करते हुए साप्ताहिक बाजार खोलने का आश्वासन दिया और इस सम्बंध में आर्डर भी जारी कर दिए लेकिन रद्द साहेब ने दिल्ली सरकार के आर्डर पर रोक लगा दी।दिल्ली सरकार ने दुबारा से फाइल रद्द ऑफिस भेजी जिसे मंजूरी मिल गयी।इस कार्य के लिए दिल्ली हफ्तावारी पटरी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बुके देकर ष्टज्जङ्घ के उपाध्यक्ष सन्दीप भारद्वाज का आभार व्यक्त किया।धन्यवाद करने संस्था के जो पदाधिकारी आये उनमें राजू चोपड़ा,प्रेम जी,संजय सचदेवा, अशोक अरोड़ा,अनिल सचदेवा, सोनू चोपड़ा,लकी चुघ,सुशांत चोपड़ा,लोकेश सचदेवा, पुन्नू बग्गा,पप्पू प्रधान, इत्यादि व्यापारी शामिल थे।सन्दीप भारद्वाज ने सभी व्यापरियों का सम्मान किया व कहा कि जो भी कार्य है वह ईश्वर ने करना होता है,हम तो बस निमित्त मात्र हैं।

द्वारा
सन्दीप भारद्वाज
उवाध्यक्ष
चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज़

मैत्री प्रोजेक्ट से मिल रहा हैं नये कलाकारों को डिजीटल प्लेटफार्म

नई दिल्ली। बदलते समय में नये कलाकारों ओर नई प्रतिभाओं के लिए चुनोती भरा समय हैं, चारों तरफ एक दूसरे के टेलेंट को लेकर प्रतिद्वंदी पहले से ही तेयार हैं, ऐसे में अगर आपकों एक ऐसा मंच मिल जाएं जिस पर पहुंचकर आपकी मंजिल की राह आसान हो जाएं तो दोस्तों आपकों वास्तव में एक अच्छे मेजिक, के होने का एहसास होगा, ऐसे ही हजारों उभरते हुए कलाकारों के सपनों को साकार करने में लगी हैं, ये इवेन्ट कंपनी, इससे पूर्व भी कंपनी कईं सारे अलग अलग कार्यक्रम अयोजित कर चुकी हे, जिनकी अलग अलग जरूरतें हैं, जैसे अभी हमारा चल रहा है, मैत्री प्रोजेक्ट के नाम पर कार्यक्रम , जिसमें हम कलाकारों को डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ते हैं, कलाकरों को एक बिल्कुल नये दर्शकों एवं लोगों से जोड़ते हैं, क्यूँकि हमारा यह मानना है की कोई भी कलाकार चाहे कितना भी नाम क्यूँ ना कमा ले, फिर भी वह यह नहीं कह सकता है की उसे अब नये दर्शकों एवं ऑडियंस की ज़रूरत नहीं है, या उसे सब जानते हैं। किसी के लिए तो वह एकदम नया चेहरा रहता है। मोजूदा समय में कोरोना महासंक्रमण के कारण लॉकडाउन की वजह से सब बंद हो चुका है, जो भी मेहनत सालों तक की हैं, वह सारी की सारी एक तरह से रुक चुकी हैं। जितने भी लोग थे, सभी घरों में हैं। इन दिनों यह सामने आया कि, जो कलाकारों की कटेगरी है, वह कलाकार होने के साथ साथ एक अच्छी ऑडियंस भी हैं।

तो हमने मैत्री प्रोजेक्ट में क्या किया, कि इस लाक्डाउन में जो चीज़ अचानक से कहीं खो गयी थी, मतलब की ऑयडियं और स्टेज, मंच, वह हम मैत्री से वापस लेकर आए हैं।

हम इसमें क्या करते हैं, हम हृते में ऐसे दो शो करते हैं, जिसमें हम अलग अलग फ्रीलांसर कलाकारों को बुलाते हैं, वह कम से कम अनुभवी से लेकर एक दिग्गज कलाकार तक कोई भी हो सकते हैं। ये कलाकर हमारे साथ एक घंटे के हमारे कार्यक्रम का हिस्सा बनते हैं, जिसमें थोड़ी बात -चीत होती है और थोड़ी परफोमेंस, कला की प्रस्तुस्ती होती है। अब बात चीत का जो मक़सद है वह यह कि जो भी कलाकर हमारे साथ आते हैं, ऑडियंस उनके बारे में थोड़ा बहुत जाने। क्यूँकि मक़सद यही है की लोग उनसे ज़्यादा से ज़्यादा जुड सके ओर सभी को उनके बारे में अधिक से अधिक जानकारी मिल सके। ऐसे में यदि कलाकार द्वारा दी गई प्रस्तुति पसंद आती है, या नहीं भी आती। पर इसके जरिये से जो लोग आपस में जुड़ते हैं, वह सही दिशा में एक कलाकार की ऑडियंस में बढोतरी जरूर करता है।ऐसे में मैत्री प्रोजेक्ट के माध्यम एवं मंच से जो भी सूचनाएं लोगों को भेजी जाती हैं उसमें कोई भी हो सकता है। तो मक़सद सिर्फ़ यह की वह लोग उन्हें जाने और एक बार फ़ोन उठा कर उनसे बात करने का मन बना ले, क्यूँकि हम कोई एजेंसी नहीं हैं जो बीच में माध्यम बनकर कमीशन **पर काम करें, हम बस चाहते हैं, की उस एक** प्रस्तुति एवं मौके **का यह असर हो कि कोई उसे देखे और** *कलाकारों से संपर्क कर उन्हें ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट दे। हमारे मंच के माध्यम से एक कलाकार को उसके टेलेंट की बदौलत ज्यादा से ज्यादा नाम व पहचान मिले। साथ ही मैत्री प्रोजेक्ट मंच को ज्वाईन करने वाले कलाकार की पहचान के लिए अधिक से अधिक प्रचार भी करेगा, जो एक विज्ञापन के रूप मे होगा, ताकि कलाकार को प्रचार का लाभ मिले और उसको फ्रीलांसर से कलाकार के रूप में असली पहचान मिल सके; ,*

स्वामित्वमधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्या ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-96 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सैक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित, *पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिये उत्तरदायी।